चिंतपूर्णी दरबार - राजन राज

चिंता जिथे दूर होवन सारे संसार दिया
क्या बाता ने चिंतपूर्णी माँ दे दरबार दिया
पिंडी रुपी शक्तियां सब भगता नु तारदियां
क्या बात ने ...

स्वर्गा तो भी सोहना चिंतपूर्णी माँ दा द्वारा
हर पल गूंजे इस दर उत्ते दाती दा जय कारा
सब पासे ने चर्चा माँ दी जय जय कार दिया
क्या बाता ने चिंतपूर्णी माँ दे.....

छिन्न मस्तिका मैया सबदे भरदि ऐ भंडारे
दीन दुखी जो दर ते आवे उस नु मैया तारे
की की सिफ्ता दस्सा मैया दे उपकार दिया
क्या बाता ने चिंतपूर्णी माँ दे.....

राजन वर्गे लखा मां दी महिमा लिख-लिख गाउँदे
जिंदगी मां दे लेखे ला के जीवन सफल बनाउँदै
माँ दे हाथ विच डोरा सब दे घर परिवार दिया
क्या बाता ने चिंतपूर्णी माँ दे.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/35265/title/chintpurni-darbaar--rajan-raj

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |